Argasia Education PVT. Ltd. (GST NO.-09AAPCAI478E1ZH)
Address: Basement C59 Noida, opposite to Priyagold Building gate, Sector 02, Pocket I, Noida, Uttar Pradesh, 201301, CONTACT NO:-8448440231

Date –4 October 2024

कार्बन तटस्थता और हरित पहल : ग्रीनहशिंग के प्रभाव और समाधान

(यह लेख यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के मुख्य परीक्षा के सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र – 3 के अंतर्गत ' जैव विविधता और पर्यावरण , यूरोपीय संघ का ग्रीनवाशिंग दिशा – निर्देश ' खंड से और यूपीएससी के प्रारंभिक परीक्षा के अंतर्गत ' कार्बन तटस्थता , ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) , ग्रीनवाशिंग , पर्यावरण संरक्षण और वैश्विक स्थिरता परिवर्तन में ग्रीनहशिंग का प्रभाव , पर्यावरण प्रदूषण और पर्यावरण संरक्षण ' खंड से संबंधित है।)

खबरों में क्यों ?

- हाल ही में, वैश्विक स्तर पर कार्बन-न्यूट्रल प्रमाणित फर्मों की संख्या में वृद्धि हुई है, लेकिन इनमें से कई फर्में अपनी पर्यावरणीय उपलब्धियों को प्रचारित नहीं करना चाहतीं, जिससे ग्रीनहशिंग का चलन बढ़ रहा है।
- वस्तुतः ग्रीनहशिंग एक ऐसा रुझान है जिसमें कंपनियाँ अपनी पर्यावरणीय उपलब्धियों को बढ़ावा देने से बचती हैं अथवा अपनी पर्यावरणीय उपलब्धियों को प्रचारित करने में हिचकिचाती हैं।

ग्रीनहशिंग क्या होता है?

- ग्रीनहशिंग तब होती है जब कंपनियाँ अपने पर्यावरणीय लक्ष्यों और उपलब्धियों के बारे में जानकारी को कम करके बताती हैं या जानबूझकर छिपाती हैं।
- ये कंपनियाँ अपनी हरित साख का विज्ञापन जानबूझकर नहीं करती हैं और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी भावी प्रतिबद्धताओं के बारे में चुप रहती हैं।

कंपनियाँ ग्रीनहशिंग क्यों करती हैं ?

- **मुकदमेबाजी संबंधी चिंताएँ :** संयुक्त राज्य अमेरिका में, कंपनियों को मुकदमों का सामना करना पड़ सकता है यदि उन्हें शेयरधारक मुनाफे की तुलना में स्थिरता को प्राथमिकता देते हुए देखा जाता है।
- **ईएसजी के विरुद्ध प्रतिक्रिया :** अमेरिका के कुछ राज्यों में ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) प्रयासों के विरुद्ध प्रतिक्रिया हुई है, जिससे कंपनियाँ अपने पर्यावरणीय लक्ष्यों पर चर्चा करने से बचती हैं।
- **हरित उत्पादों की निम्न गुणवत्ता :** कई उपभोक्ता हरित उत्पादों को निम्न गुणवत्ता या उच्च कीमत से जोड़ते हैं, जिससे कंपनियाँ अपने उत्पादों के पर्यावरणीय लाभों को बढ़ावा देने में अनिच्छुक रहती हैं।
- **भविष्योन्मुखी प्रतिबद्धताओं से बचना :** कंपनियाँ भविष्य की प्रतिबद्धताओं की अपेक्षाओं या अधिक महत्वाकांक्षी पर्यावरणीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के दबाव से बचने के लिए चुप रहती हैं।
- **ग्राहकों की असुविधा से बचना :** पर्यटन उद्योग में कई व्यवसाय अपने ग्राहकों को असुविधा से बचाने के लिए अपने पर्यावरणीय प्रयासों को गुप्त रखना पसंद करते हैं, क्योंकि छुट्टियों के दौरान लोग जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं से बचना चाहते हैं, जिससे पर्यटन उद्योग की कई कंपनियाँ अपने पर्यावरणीय प्रयासों को गुप्त रखना पसंद करती हैं।
- **ग्रीनवाशिंग के आरोप :** ग्रीनवाशिंग के आरोप किसी फर्म की छवि को नुकसान पहुँचा सकते हैं, इसलिए ये फर्म अपनी उपलब्धियों को गुप्त रखना पसंद करती हैं।
- **उपभोक्ताओं की मांग में कमी :** कई उपभोक्ता कार्बन तटस्थता के बारे में अनभिज्ञ हैं या खरीदारी का निर्णय लेते समय शायद ही कभी कार्बन तटस्थ उत्पादों के बारे में पूछते हैं। इस प्रकार, ग्रीनहशिंग एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जो कंपनियों की पर्यावरणीय पारदर्शिता को प्रभावित करता है।

कंपनियाँ कार्बन न्यूट्रल प्रमाणित क्यों होती हैं ?

- **प्रतिस्पर्द्धात्मक लाभ :** कार्बन तटस्थता कंपनियों को प्रतिस्पर्द्धियों से अलग पहचान प्रदान करती है। इसके साथ ही यह प्रतिभाओं को आकर्षित करने और बेहतर वित्तीय शर्तों तक पहुँच बनाने में सहायता करती है।
- **सामाजिक प्रमुखता बनाए रखना :** कई कंपनियाँ अपनी सामाजिक प्रमुखता को बनाए रखने के लिए और सार्वजनिक धारणा एवं हितधारकों के विश्वास को सुधारने के लिए कार्बन तटस्थता की दिशा में प्रयास करती हैं। यह उन्हें हितधारकों के साथ मजबूत संबंध बनाने में मदद करता है।
- **नैतिक प्रतिबद्धता :** नैतिक रूप से प्रेरित कुछ कंपनियाँ कार्बन तटस्थता का प्रयास करती हैं क्योंकि उनका मानना है कि ऐसा करना सही है। ये कंपनियाँ पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपने जुनून और ग्रह की रक्षा की जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित होती हैं।

ग्रीनहशिंग से संबंधित मुख्य चिंताएँ :

- **वैश्विक स्तर पर बढ़ती हुई विनियमन और जाँच की प्रवृत्ति :** जलवायु परामर्श फर्म साउथ पोल की एक रिपोर्ट में पाया गया है कि विश्व की तक़रीबन 58% कंपनियाँ बढ़ती हुई विनियमन और जाँच के कारण जलवायु संबंधी अपने संचार को कम कर रही हैं।
- **पारदर्शिता में कमी का होना :** जब कंपनियाँ अपने स्थिरता प्रयासों के बारे में खुले तौर पर जानकारी नहीं देती हैं, तो कार्बन उत्सर्जन को कम करने में उनकी प्रगति का आकलन करना कठिन हो जाता है। इससे जलवायु कार्रवाई की प्रगति को ट्रैक करने और सत्यापित करने की क्षमता कम हो जाती है।
- **जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए समग्र वैश्विक प्रयास का कमज़ोर होना :** यदि ये व्यवसाय अपने पर्यावरणीय प्रयासों के बारे में जानकारी को रोकते हैं, तो इससे धारणीय प्रथाओं को अपनाने में देरी हो सकती है, जिससे जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए समग्र वैश्विक प्रयास कमज़ोर हो सकता है।
- **प्रतिकूल प्रतिक्रिया का डर और डोमिनो प्रभाव :** स्थिरता प्रयासों का विरोध करने वाले क्षेत्रों या उद्योगों से प्रतिकूल प्रतिक्रिया का भय अन्य व्यवसायों और कंपनियों को सतत् प्रथाओं को अपनाने से रोकता है।
- **उपभोक्ताओं पर पड़ने वाला प्रभाव :** जब कोई कंपनियाँ अपनी स्थिरता संबंधी उपलब्धियों के बारे में चुप रहती हैं, तो इससे उपभोक्ता कम टिकाऊ उत्पाद खरीदना जारी रख सकते हैं, जिससे अनजाने में पर्यावरण अनुकूल विकल्पों की मांग धीमी हो जाती है।

ग्रीनवाशिंग की समस्या का समाधान :

- **ग्रीनवाशिंग के आरोपों के प्रति चिंताओं को दूर करना और सततता पर ध्यान केंद्रित करना :** कंपनियों को यह समझाना चाहिए कि पर्यावरणीय स्थिरता केवल एक अंतिम लक्ष्य नहीं बल्कि एक यात्रा है। उनके प्रयासों को साझा करके और दर्शकों को शामिल करके, वे आलोचनाओं को कम कर सकते हैं और ग्रीनवाशिंग के आरोपों के प्रति चिंताओं को दूर कर सकते हैं।
- **प्रभावी विनियमन से स्पष्टता और विश्वास में वृद्धि होना :** प्रभावी विनियमन से स्पष्टता और विश्वास में वृद्धि होती है, जिससे प्रतिस्पर्धा का माहौल संतुलित होता है। उदाहरण के लिए, यूरोपीय संघ के ग्रीनवाशिंग दिशानिर्देश भ्रामक विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाते हैं और उपभोक्ताओं को बेहतर उत्पाद जानकारी प्रदान करते हैं।
- **सतत विकास को प्रोत्साहित करना और उपभोक्ता जागरूकता को बढ़ावा देना :** स्थिरता के प्रति उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने से ग्रीन उत्पादों के प्रति नकारात्मक धारणा को बदलने में मदद मिल सकती है। इससे उपभोक्ता अधिक सतत कंपनियों का चयन करने में समर्थ होंगे, जो अंततः सतत विकास को प्रोत्साहित करेगा। इस प्रकार, ग्रीनहशिंग की समस्या का समाधान करने के लिए कंपनियों को पारदर्शिता, बेहतर विनियमन और उपभोक्ता शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए।

स्त्रोत – द हिन्दू।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न :

Q .1. कार्बन तटस्थता हासिल करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा उपाय सबसे प्रभावी है और हरित पहल के तहत निम्नलिखित में से कौन-सा कार्यक्रम शामिल नहीं है?

1. नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करना।
2. वनों का संरक्षण करना।
3. जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को नजरअंदाज करना।
4. ऊर्जा दक्षता में सुधार करना।

उपरोक्त में से कौन सा कथन सही है ?

A. केवल 1 और 3
B. केवल 2 और 4
C. इनमें से कोई नहीं
D. उपरोक्त सभी।

उत्तर – A

मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न :

Q.1. कार्बन तटस्थता और हरित पहल के संदर्भ में ग्रीनवाशिंग की समस्याएँ और उनके समाधान क्या हैं और इसके साथ ही चर्चा कीजिए कि यह वैश्विक जलवायु परिवर्तन के लक्ष्यों को कैसे प्रभावित कर सकते हैं? (शब्द सीमा – 250 अंक – 15)

Dr. Akhilesh Kumar Shrivastava

PLUTUS IAS

PLUTUS IAS
PLUTUS IAS
UPSC/ PCS
SOCIOLOGY
OPTIONAL
ONLINE BATCH AVAILABLE AT
CHANDIGARH
ADMISSION
OPEN
EVENING BATCH
STARTING FROM
15th OCTOBER 2024 I 4:30-7:00PM
PLUTUS IAS WHATSAPP CHANNEL
2nd Floor, Apsara Arcade, Karol Bagh Metro Station
Gate No. – 6, New Delhi 110005
OUR CENTERS Delhi I Chandigarh I Shimla I Bilaspur
+91 8448440231 www.plutusias.com info@plutusias.com
Dr. Huma Hassan
Faculty of Sociology Optional
Ph.D (Sociology), JNU